इसमें कोई शक नहीं। रणनीति बहुत बड़े स्तर पर बनाई जाती है। कुछ साल पहले जब मैं खेल रहा था तब पावरप्ले का स्कोर 45 के आसपास अच्छा माना जाता था। **– पार्थिव पटेल**

गुजरात टाइटंस के सहायक कोच, पावरप्ले में बन रहे बड़े स्कोर को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अभिषेक पोरेल

विशाखापट्टनम में मैच के दौरान अभिषेक पोरेल से अनिकेत वर्मा का कैच छूटा। जैक-फ्रेजर-मैगर्क ने बाउंड्री पर 2.9 मीटर की छलांग लगाकर कैच लपका। विपराज ने पीछे की ओर दौड़कर क्लासन का कैच पकड़ा। दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट की जीत हासिल कर ली है। 16वें ओवर की आखिरी बॉल पर अभिषेक पोरेल ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। वे 34 रन बनाकर नाबाद लौटे। यह दिल्ली की लगातार दूसरी जीत है।

क्या आप जानते हैं ?... टी-20 में सबसे तेज 3000 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड शॉन मार्श के नाम है। शॉन मार्श ने 85 पारी में ही 3000 रन पूरा कर लिए थे।

आर्यना सबालेंका ने पहली बार मियामी ओपन जीता

अमेरिकी जेसिका पेगुला को हराया, 9 करोड़ की प्राइज मनी मिली

नई दिल्ली, 30 मार्च। बेलारूस की पहली सीड टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने शनिवार को अपना पहला मियामी ओपन टाइटल जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में चौथी सीड अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराया। जीतने पर आर्यना को 9.4 करोड़ रुपए प्राइज मनी मिली। आखरी बार आर्यना ने 2024 यूएस ओपन फाइनल में पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया था। वहीं उन्होंने 28 मार्च 2025 को हुए मियामी ओपन सेमीफाइनल मुकाबले में इटली की जस्मिन पाओलीनी को 6-2,6-2 से हराया था। बेलारूस की पहली सीड टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने शनिवार को अपना पहला मियामी ओपन टाइटल जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में चौथी सीड अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराया। जीतने पर आर्यना को 9.4 करोड़ रुपए प्राइज मनी मिली। आखरी बार आर्यना ने 2024 यूएस ओपन फाइनल में पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया था। वहीं उन्होंने 28 मार्च 2025 को हुए मियामी ओपन सेमीफाइनल मुकाबले में इटली की जस्मिन पाओलीनी को 6-2,6-2 से हराया था।

सुनील नरेन ने लेंथ गेंदबाजी करने का महत्व सिखाया : कुलदीप

नई दिल्ली, 30 मार्च। धाकड़ स्पिनर कुलदीप यादव ने आईपीएल 2025 के दौरान वेस्टइंडीज के दिग्गज स्पिन ऑलराउंडर सुनील नरेन की शान में कसीदा पढ़ा है। कुलदीप ने नरेन से एक हुनर से एक हुनर सीखा है। 30 वर्षीय कुलदीप ने कबूल किया कि नरेन ने लेंथ गेंदबाजी करने का महत्व सिखाया, जिससे उन्हें और अधिक प्रभावी स्पिनर बनने में मदद मिली। कुलदीप दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं। वहीं 36 वर्षीय नरेन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हैं। हालांकि, दोनों केकेआर के लिए लंबे समय तक साथ में खेल चुके हैं। कुलदीप हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम में थे। कलाई के स्पिनर कुलदीप ने जियो हॉटस्टार से कहा कि, एक गेंदबाज के रूप में आपको हावी होने का लक्ष्य रखना चाहिए। जसप्रीत बुमराह और सुनील नरेन जैसे खिलाड़ियों ने लगातार ऐसा किया है। मैंने केकेआर में रहते हुए सुनील नरेन से बहुत कुछ सीखा। वह अपने समय से आगे थे। उन्होंने हमेशा लेंत गेंदबाजी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि, उस समय मुझे लगता था कि मैं केवल अपने कौशल पर भरोसा कर सकता हूं लेकिन अब मुझे लगता है कि वह बिल्कुल सही थे। चोट से वापसी के बाद से मैंने अपनी लेंथ पर बहुत ध्यान दिया है और इससे काफी फर्क पड़ा है। कुलदीप आईपीएल के मौजूदा सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ डीसी की एक विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने मुकाबले में दो शिकार किए थे। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में टॉप आक्रामक बल्लेबाजों की मौजूदगी को देखते हुए आईपीएल में अच्छी इकोनाम रेट बनाए रखना बेहद मुश्किल है। बाएं हाथ के स्पिनर ने कहा कि, आईपीएल गेंदबाजों के लिए बहुत कठिन है ये अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। आप विकेट ले सकते हैं लेकिन आप हमेशा 6 या 7 रन प्रति ओवर की इकोनाम रेट बनाए रखने की उम्मीद नहीं कर सकते। ये उच्च गुणवत्ता वाले खिलाड़ियों की मौजूदगी में एक चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट है।

चेन्नई लगातार दूसरा मैच हारा

// राजस्थान ने 6 रन से हराया, हसरंगा ने 4 विकेट लिए, नीतीश राणा ने 81 रन बनाए //

गुवाहाटी, 30 मार्च। राजस्थान रॉयल्स ने -2025 के 11वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 183 रन का टारगेट दिया है। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में चेन्नई ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। राजस्थान ने 9 विकेट पर 182 रन बनाए। चेन्नई ने 19.4 ओवर में 6 विकेट खोकर 172 रन बना लिए हैं। रवींद्र जडेजा और जिमी ओवर्टन क्रीज पर हैं। एमएस धोनी (16 रन) को संदीप शर्मा ने हेटमायर के हाथों कैच कराया।

ऋतुराज गायकवाड 63 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें वनिंदू हसरंगा ने यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। उन्होंने विजय शंकर (9 रन), शिवम दुबे (18 रन) और राहुल त्रिपाठी (23 रन) को भी आउट किया। रचिन रवींद्र (शून्य) को जोफ्रा आर्चर ने पवेलियन भेजा। दिन के पहले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हरा दिया।

20वें ओवर में चेन्नई ने छठा विकेट गंवाया। यहां एमएस धोनी (16 रन) को संदीप शर्मा ने हेटमायर के हाथों कैच कराया। चेन्नई सुपर किंग्स को 12 गेंद पर 39 रन की जरूरत है। टीम से एमएस धोनी और रवींद्र जडेजा क्रीज पर हैं। राजस्थान से तुषार देशपांडे 19वां ओवर फेंकने आए। 3 गेंद पर 6 रन बने, इसी के साथ टीम के 150 रन भी पूरे हो गए।

16वें ओवर में चेन्नई ने 5वां विकेट गंवाया। यहां ऋतुराज गायकवाड 63 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें वनिंदु हसरंगा ने यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। उन्होंने विजय शंकर (9 रन), शिवम दुबे (18 रन) और राहुल त्रिपाठी (23 रन) को भी आउट किया।

दिल्ली की लगातार दूसरी जीत

हैदराबाद को 7 विकेट से हराया, स्टार्क ने झटके 5 विकेट, डु-प्लेसिस की फिफ्टी

विशाखापट्टनम, 30 मार्च। दिल्ली कैपिटल्स ने -2025 में लगातार दूसरी जीत हासिल की है। टीम ने रविवार के पहले मुकाबले में हैदराबाद को 7 विकेट से हराया।

विशाखापट्टनम में दिल्ली ने 164 रन का टारगेट 16 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। ओपनर फाफ डु प्लेसिस ने 50 रन की पारी खेली। जैक फेजर मैगर्क ने 38 रन का योगदान दिया। दोनों ने 81 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। केएल राहुल ने 15 रन बनाए। अभिषेक पोरेल 34 और ट्रिस्टन स्टब्स 21 रन बनाकर नाबाद लौटे। जीशान अंसारी ने 3 विकेट झटके। टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी हैदराबाद 18.4 ओवर में 163 रन पर ऑलआउट हो गई। अनिकेत वर्मा ने 41 बॉल पर 6 छक्कों के सहारे 74 रन बनाए। मिचेल स्टार्क ने 5 विकेट झटके। कुलदीप यादव को 3 विकेट मिले।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), जैक फ्रेजर-मैगर्क, केएल राहुल, फाफ डु प्लेसिस, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा और मुकेश कुमार।इम्पैक्ट प्लेयर्स: आशुतोष शर्मा।

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन, नीतीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, जीशान अंसारी, हर्षल पटेल और मोहम्मद शमी।इम्पैक्ट प्लेयर्स: वियान मुल्डर।

3 वनडे और 5 टी-20 खेलेगी टीम इंडिया

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा अक्टूबर-नवंबर में

// सभी 8 मुकाबले अलग-अलग वेन्यू पर होंगे //

नई दिल्ली, 30 मार्च। भारतीय मेंस क्रिकेट टीम इस साल अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। इस दौरान भारत मेजबान टीम के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज और 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगा। अनोखी बात ये है कि भारत के ये 8 मैच ऑस्ट्रेलिया के 8 अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे।

दरअसल, रविवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2025-26 सीजन में खेले जाने वाले ऑस्ट्रेलिया के सभी इंटरनेशनल मैचों का शेड्यूल जारी किया। इसके तहत पहली बार ऑस्ट्रेलिया की टीम अपने सभी 6 राज्यों और 2 यूनियन टेरेटरी में इंटरनेशनल मैच खेलेगी।

भारत के अलावा साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड भी इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेंगे।

वनडे में 152 बार भिड़े भारत-ऑस्ट्रेलिया भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 152 वनडे मैच खेले गए हैं। इनमें से भारत ने 58 मैच जीते, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 84 बार जीत दर्ज की। वहीं 10 मुकाबले बिना नतीजे के समाप्त हुए। वहीं दोनों टीमों ने 32 टी-20 मैच खेले हैं, जिसमें से 11 ऑस्ट्रेलिया ने और 21 भारत ने जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया में पिछली टेस्ट सीरीज हार चुका है भारत भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल ही टेस्ट सीरीज भी खेली थी। नंवबर में शुरू हुई 5 टेस्ट की सीरीज टीम इंडिया ने 3-1 से गंवा दी थी। भारत ने जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में 1 मैच जीता था, लेकिन टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में 2 मैच हार गई। बुमराह की कप्तानी में टीम ने आखिरी मुकाबला भी गंवाया था।

अगस्त में साउथ अफ्रीका से भिड़ेगा ऑस्ट्रेलिया ऑस्ट्रेलियाई टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 वनडे और 3 टी-20 खेलेगी। सभी मैच 10 से 24 अगस्त के बीच खेले जाएंगे। मैच डार्विन, कैर्न्स और मैकाय के 3 अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे।

नवंबर में शुरू होगी ऐशेज इंग्लैंड टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस साल 21 नवंबर से 8 जनवरी के बीच पांच टेस्ट मैच की ऐशेज सीरीज खेलगी। ये सभी मैच 5 अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे।

शेखावत ने शूटिंग रेंज में राइफल से निशाना साधा व बास्केटबॉल खेली

मुंबई/नयी दिल्ली 30 मार्च। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दमन और दीव के दौरे पर रविवार को उन्होंने विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण करने के साथ शूटिंग रेंज में राइफल से निशाना साधा और बास्केटबॉल भी खेली। दमन और दीव के दौरे पर श्री शेखावत ने वहां के प्रशासक प्रफुल पटेल के साथ दमन हवाई अड्डे की चल रही निर्माण गतिविधियों का भी निरीक्षण किया। वह सिल्वासा में अटल फ़्लाईओवर के नीचे बने स्पोर्ट्स सेंटर भी गए। उन्होंने कहा कि यहां स्पोर्ट्स सेंटर बनाना खाली स्थान का सदुपयोग है। सेंटर में खेल की स्तरीय सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं।

हार्दिक पंड्या पर 12 लाख का जुर्माना

गुजरात के खिलाफ स्लो ओवर रेट के कारण मिली सजा

नई दिल्ली, 30 मार्च। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर स्लो ओवर रेट के लिए ने 12 लाख का जुर्माना लगाया है।शनिवार को अहमदाबाद में -2025 का नौवां मैच गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच खेला गया।

इस मैच में मुंबई की टीम टॉस जीतकर पहले फील्डिंग कर रही थी और निर्धारित समय में 20 ओवर नहीं फेंक पाई। टीम को इसी वजह से आखिरी ओवर में 30 यार्ड सर्कल में एक फील्डर ज्यादा रखना पड़ा।

मुंबई इंडियंस को 36 रनों से हार का सामना करना पड़ा मुंबई इंडियंस को इस मैच में गुजरात टाइटंस से 36 रनों से हार का सामना करना पड़ा। गुजरात ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 196 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 160 रन ही बना सकी।

मुंबई के पहले मैच में बैन के चलते नहीं खेले थे हार्दिक हार्दिक पिछले सीजन में 3 मैचों में स्लो ओवर फेंकने के बाद एक मैच का बैन लगा था। पिछले सीजन में तीन मैचों में स्लो ओवर रेट के लिए ने हार्दिक पर जुर्माना लगाया था। -2024 में 30 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुंबई की ओर से तीसरी बार स्लो ओवर रेट के लिए 30 लाख रुपए का जुर्माना के साथ ही टीम के कप्तान पर एक मैच का बैन लगा था।

चूंकि पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस का लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सीजन का आखिरी मैच था। ऐसे में इस सीजन के मुंबई के पहले मैच यानी 23 मार्च को हार्दिक चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे। पिछले सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में भी मुंबई पर स्लो ओवर रेट के लिए जुर्माना लगा था।

में स्लो ओवर रेट के नए नियम -2025 में स्लो ओवर रेट के लिए अब कप्तानों को मैच से बैन नहीं किया जाएगा, बल्कि उनके खाते में डिमेरिट पॉइंट जोड़े जाएंगे, जो तीन साल तक रहेंगे।लेवल 1 के अपराध पर मैच फीस का 25 से 75 प्रतिशत जुर्माना और डिमेरिट पॉइंट लगाए जाएंगे। लेवल 2 के गंभीर अपराध पर सीधे 4 डिमेरिट पॉइंट मिलेंगे। 4 डिमेरिट पॉइंट जमा होने पर मैच रेफरी कप्तान की पूरी 100 मैच फीस काट सकता है या अतिरिक्त डिमेरिट पॉइंट दे सकता है।

मुंबई के खिलाफ मैच से पहले के लिए अच्छी खबर, जानें पिच विवाद पर हेड कोच चंद्रकांत पंडित ने क्या कहा?

नई दिल्ली, 30 मार्च। आईपीएल 2025 में सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को सीजन का तीसरा मैच कप्तान अजिंक्य रहाणे के घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलना है। इस मैच से पहले केकेआर के लिए राहत की खबर है। दरअसल, टीम के दिग्गज खिलाड़ी सुनील नरेन फिट हो गए हैं। केकेआर के कोच चंद्रकांत पंडित ने मैच से एक दिन पहले रविवार को ये जानकारी दी। पंडित ने पिच विवाद पर भी बात की। उन्होंने कहा कि टीम किसी पिच पर खेलने के लिए तैयार है।

द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार चंद्रकांत पंडित ने सुनील नरेन को लेकर कहा कि, सुनील 100 प्रतिशत फिट हैं। वह निश्चित रूप से ठीक हो गए हैं और वह अभ्यास भी कर रहे हैं। आज भी वह अभ्यास कर रहे हैं, इसलिए फिलहाल वह बिल्कुल ठीक हैं। नरेन ने रॉयल चैलेंजर्स

बेंगलुरु के खिलाफ मैच में 26 गेंद पर 44 रन बनाए थे। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल का विकेट भी लिया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनकी जगह मोइन अली खेले थे। कोलकाता 1 मैच जीतकर अंक तालिका में छठे नंबर पर है।

वहीं केकेआर हाल ही में पिच विवाद में घिरी थी। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा था कि ईडन गार्डन में उनके मन मुताबिक परिस्थितियां नहीं मिल रही हैं, जिससे उन्हें घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा नहीं मिल रहा है। पंडित से एक बार फिर इस बारे में पूछा गया और उन्होंने ये इसे कहकर टाल दियाकि उन्हें जो भी पिच दी जाएगी, उन्हें उसी पर खेलना होगा।

चंद्रकांत ने कहा कि, देखिए एक कोच के तौर पर एक टीम प्रबंधन के तौर पर हमें जो भी सतह दी गई है, हम उसी पर खेलते हैं। बेशक, नियंत्रण क्यूरेटर के अधीन होगा। इस समय निश्चित रूप से हमारा ध्यान कल होने वाले अगले मैच पर होगा, जो हम खेल रहे हैं। इसलिए इस समय मैं निश्चित रूप से इस बारे में नहीं सोच रहा हूं कि क्या करना है, किसके नियंत्रण में क्या है। लेकिन हमें कल के मैच पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो हमारे लिए बहुत अहम है।

ये पूछे जाने पर कि क्या फ्रेंचाइजी के हाथों में मैदान का प्रभार होता है। पंडित ने कहा कि, नहीं। मैदान पर हर चीज का प्रभारी... मुझे नहीं पता। इसका मतलब ये नहीं है कि उनके पास विकेट तैयार करने का कंट्रोल है। मेरा मतलब है कि मुझे नहीं पता कि अलग-अलग राज्यों या अलग-अलग मैदानों में क्या व्यवस्था है, जहां नियंत्रण फ्रेंचाइजी के पास नहीं है। शायद, जाहिर है एक टीम प्रबंधन के रूप में, एक कोच के रूप मं एक कप्तान के रूप में शायद हम उम्मीद करते हैं कि कुछ दिया जाएगा।

राजधानी

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा उत्सव पर निकला संघ का विशाल पथ संचलन

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जयपुर महानगर के ऋषि गालव भाग की ओर से वर्ष प्रतिपदा उत्सव एवं विशाल पथ संचलन के अवसर पर क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने कहा कि स्वयंसेवक प्रतिदिन शाखा में संस्कार सिखाते हुए अथवा उनका पुनर्स्मरण करते हुए, अपने दैनंदिन जीवन में उनका प्रकटीकरण करते हैं। वे मन, वचन और कर्म से राष्ट्र-देव की आराधना करते हुए, नित्य बोले जाने वाली प्रार्थना के अनुरूप एक संकल्प, एक दृष्टि और एक विचार के साथ एकात्म होकर लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर साधनारत रहते हैं। आज देशभर में 83,000 नियमित शाखाएँ संचालित हो रही हैं, जहाँ प्रतिदिन 8 लाख से अधिक स्वयंसेवक भारत माता की जयघोष के साथ नित्य प्रार्थना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज हमारा नव संवत्सर का दिन है। एक समय था जब भारतीय नव वर्ष की चर्चा या जानकारी बहुत सीमित थी, लेकिन आज की स्थिति देखकर खुशी होती है। यह परिवर्तन हमारे सतत प्रयासों का परिणाम है। आज समाज उत्साह और उल्लास के साथ नव वर्ष मना रहा है। अपने उत्सवों में महापुरुषों को जोड़ते हुए, तिलक और ध्वज लगाते हुए, मांगलिक प्रतीकों का उपयोग करते हुए तथा पावन नवरात्र के प्रारंभ के साथ, चारों ओर नव वर्ष का जयगान गूंज रहा है।

आज राजस्थान का स्थापना दिवस भी है। विद्वानों के अनुसार, राजस्थान स्थापना दिवस की घोषणा सरदार पटेल ने चैत शुक्ल प्रतिपदा, विक्रम संवत 2006 के दिन की थी। राजस्थान के विकास के लिए सामंजस्य, सौहार्द और समरसता के साथ आगे बढ़ना होगा। इस गौरव और गर्व को बनाए रखने के लिए शासन और समाज, दोनों को मिलकर निरंतर प्रयास करना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि प्रतिनिधि सभा में पारित संकल्प प्रत्येक स्वयंसेवक के लिए मार्गदर्शक है। इसे समझकर और उसके अनुरूप योगदान देना आवश्यक है। शताब्दी वर्ष में अपनी शाखा को सर्वस्पर्शी एवं सर्वग्राही बनाने के प्रयासों को और अधिक बढ़ाना होगा। पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज परिवर्तन की प्रक्रिया हमें स्वयं से प्रारंभ करनी होगी और समाज को भी इसके लिए प्रेरित करना होगा। मातृशक्ति को संघ कार्यों से जोड़ते हुए, शताब्दी वर्ष के लक्ष्यों

■ **समाज के सज्जन शक्ति को साथ लेकर संघ की प्रत्येक शाखा सर्वस्पर्शी व सर्वव्यापी बनें : निम्बाराम**

को पूर्ण करने का संकल्प लेना है। समाज के प्रबुद्ध एवं सज्जन शक्तियों को साथ लेकर, समाज निर्माण के अंतर्गत होने वाले सभी सकारात्मक कार्यों में सहयोग प्रदान करते हुए आगे बढ़ना होगा।

संचलन में करीब 5,000 स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में अनुशासनबद्ध तरीके से कदमताल करते हुए शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगद्गुरु आश्रम, जयपुर के महंत स्वामी अक्षयानंद थे । इस अवसर पर राजस्थान क्षेत्र के संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल और ऋषि गालव भाग संघचालक अशोक जैन भी मंचासीन थे। कार्यक्रम के आरंभ में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा द्वारा पारित प्रस्ताव बांग्लादेश के हिन्दू समाज के साथ एकजुटता के साथ खड़े रहने का वाचन हुआ।

अपने उद्बोधन में महंत स्वामी अक्षयानन्द, जगद्गुरु आश्रम ने कहा कि संघ के संस्थापक डॉ हेगवार दूरदर्शी थे, उन्होंने भविष्य को ध्यान में रखकर संगठन का निर्माण किया।

स्वयंसेवकों के पथ संचलन के दौरान विभिन्न मोहल्ला विकास समितियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। शहर के प्रमुख स्थानों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया गया। जयपुर की सड़कों पर यह अद्भुत दृश्य था, जब हजारों स्वयंसेवक एक साथ कदम से कदम मिलाकर देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित कर रहे थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मनाए जाने वाले छह प्रमुख उत्सवों में से एक, वर्ष प्रतिपदा का विशेष महत्व है। इस दिन को हिंदू नववर्ष के रूप में भी मनाया जाता है। इस अवसर पर अनुशासनबद्ध तरीके से पथ संचलन निकाला गया। इस पथ संचलन में हजारों स्वयंसेवक अनुशासित रूप से शामिल हुए और अपने प्रदर्शन के माध्यम से एकता एवं अखंडता का संदेश दिया।

संघ के स्वयंसेवकों ने घोष वादन के माध्यम से अनुशासन और कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। विभिन्न वाद्य यंत्रों, जैसे आनक (साइड ड्रम), त्रिभुज (ट्रायंगल), वंशी (बांसुरी), शंख (बिगुल) और प्रणव (बॉस ड्रम) के समन्वित वादन ने एक अनुपम संगीत प्रस्तुति दी। घोष की लयबद्ध ध्वनि के साथ स्वयंसेवक अनुशासनबद्ध रूप से कदमताल करते हुए आगे बढ़े। इस दौरान "किरण," "उदय," "श्रीराम" और "सोनभद्र" जैसी प्रसिद्ध घोष रचनाओं का वादन किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय और प्रेरणादायक बन गया।

जयपुर में आयोजित इस भव्य पथ संचलन का मार्ग पूर्व निर्धारित था। संचलन महाराजा कॉलेज से प्रारंभ होकर अजमेरी गेट, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया गेट, बड़ी चौपड़, सांगानेरी गेट और मोती डूंगरी रोड से गुजरते हुए रामनिवास बाग पहुंचा, फिर पुन: महाराजा कॉलेज पर समाप्त हुआ। पथ संचलन के दौरान हजारों की संख्या में शहरवासी सड़कों के दोनों ओर खड़े होकर स्वयंसेवकों का उत्साहपूर्वक अभिवादन कर रहे थे।

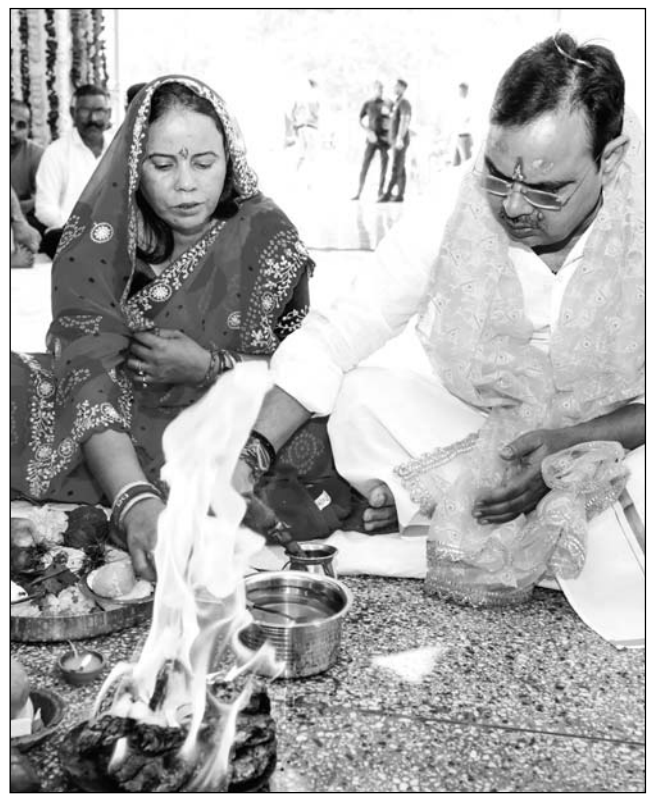

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन मुख्यमंत्री निवास में विधिवत् पूजा-अर्चना कर घट स्थापना की तथा राज राजेश्वरी मंदिर में सपरिवार माँ दुर्गा की आराधना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।